नए प्रस्ताव का वन्यप्राणी तथा टाईगर रिजर्व के सुदृढीकरण से क्या संबध है ?

राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली के गाईडलाईन F No. 3-1/2003-PT (Relocation) Feb 2008 में दिये गये निर्देश कि "टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्र को मानव विहीन क्षेत्र रखने" के संबंध में अचानकमार टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में स्थित ग्रामों का व्यवस्थापन किया जाना प्रस्तावित है। अचानकमार टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्र से प्रथम चरण में 2009--10, 2010.11 में 06 ग्राम बांकल, बहाउड़, बोकराकछार, सांभरधसान, जल्दा एवं कूबा का व्यवस्थापन किया गया है, वर्तमान में कोर क्षेत्र में 19 ग्राम व्यवस्थापन हेतु शेष है।

टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्र से ग्राम व्यवस्थापन किये जाने के उपरांत कोर क्षेत्र में मानवीय व्यवधान नहीं होगा, वन्यप्राणी वनक्षेत्र में स्वछंद उन्मुक्त विचरण करेंगे। व्यवस्थापन से रिक्त हुए वनक्षेत्र में घास के मैदान विकसित किये जायेंगे, जो शाकाहारी वन्यजीवों के लिये पौष्टिक भोजन के साधन उपलब्ध होंगे, शाकाहारी वन्यजीवों को आसानी से भयमुक्त भोजन उपलब्ध होने पर मांशाहारी वन्यजीवों की संख्या में भी वृद्धि होगी।

इस प्रकार अचानकमार टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में स्थित शेष 19 ग्रामों के व्यवस्थापन किये जाने के उपरांत कोर क्षेत्र से मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त होगा, घास के मैदान में विस्तार होगा जिसस शाकाहारी एवं मांशाहारी वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि होगी।

उप संचालक
अचानकमार टाईगर रिजर्व
लोरमी, जिला--मुंगेली (छ.ग.)